आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

हथकरघा

(टोपी,लेड़िज जैक्ट,व स्टोल)

ज्योति स्वयं सहायता समूह फल्याणी-खनियारगी

ग्राम वन विकास समिति	फल्याणी-खनियारगी
ग्राम पंचायत.....	भूमतीर
वन परिक्षेत्र	भुट्टी
वनमण्डल.....	कुल्लू
वनवृत.....	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषय-सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	8
6	उत्पादन नियोजन	8-11
7	विक्रय तथा विपणन	12
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	13
9	शक्ति, दुर्बलता,अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**	13
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	14
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	15-16
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	17
13	अनुमान	17
14	उद्यम हेतू लाभ- लागत विश्लेषण	18
15	धन की आवश्यकता	19
16	वित्तीय संसाधन	19
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	19
18	लाभ-हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	20
19	ऋण अदायगी नियोजन	20
20	टिप्पणी	21
21	प्रशिक्षण	21
22	अनुलग्नक *(छाया चित्र, नियम, सदस्यों की सूची फोटो सहित व सहमति पत्र)*	22-24

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरूस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्ध है। कुल्लू ज़िला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव फल्याणी ग्राम पंचायत भूमतीर विकास खण्ड़ कुल्लू, तहसील व ज़िला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। गांव फल्याणी कुल्लू मुख्यालय से लगभग 14 कि0 मी0 की दूरी पर स्थित है। गांव कुटलू में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाईं की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग पट्टू बनाने के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना नें ग्राम वन समिति फल्याणी-खनियारगी के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से ग्राम वन समिति फल्याणी-खनियारगी में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन "ज्योति" स्वयं सहायता समूह व "लक्ष्य" स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद **"ज्योति"** स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय लिया।

इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए तथा इस समूह को **"ज्योति"** स्वयं सहायता समूह का नाम दिया गया।

"ज्योति" स्वयं सहायता समूह के साथ हथरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम हिम बुनकर तकनीकी सहायक की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने टोपी, लेड़िज जैक्ट व स्टोल आदि बनाने का निर्णय लिया विशेषज्ञ श्री जुगत राम से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढ़ौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने **"ज्योति"** स्वयं सहायता समूह को टोपी, लेड़िज जैक्ट व स्टोल बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रूपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

"ज्योति" स्वयं सहायता समूह की **आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना** बनाने के लिए श्री शशि शर्मा (Coordinator), भुट्टी वन परिक्षेत्र, हथरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व श्री हेमराज (HPFS) सहायक अरण्यपाल कुल्लू के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन खण्ड अधिकारी, भुट्टी के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	**"ज्योति"**
2.2	समान रूची समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 22 पर सलंग्न है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	खनियारगी-फल्याणी
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई	भुट्टी
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	फल्याणी
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	समान रूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	04 दिसम्बर, 2022
2.11	बैंक खाता संख्या	5330112656
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचाालित है	सैन्टल बैंक ऑफ इण्डिया, कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह की मासिक बचत	1000
2.14	कुल बचत	3000
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	11 महीने

"ज्योति" स्वयं सहायता समूह की सूची

क्रं	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमति रामदेई पत्नी श्री सुरिन्द्र सिंह	प्रधान	35	स्त्री	12वीं	सामान्य	98054-45619
2	श्रीमति चमना देवी पत्नी श्री सोम राज	सचिव	27	स्त्री	बीए	सामान्य	86298-70186
3	श्रीमति गीता देवी पत्नी श्री रमेश कुमार	कोषाध्यक्ष	28	स्त्री	10वीं	सामान्य	90151-53806
4	श्रीमति मंगली देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह	सदस्य	46	स्त्री	5वीं	सामान्य	88940-82137
5	श्रीमति मधुरानी पत्नी श्री फतेह चन्द	सदस्य	46	स्त्री	10वीं	सामान्य	70189-60832
6	श्रीमति कुसम लता पत्नी श्री यशपाल	सदस्य	36	स्त्री	8वीं	सामान्य	98052-89271
7	श्रीमति लाहुली देवी पत्नी श्री झप्पे राम	सदस्य	48	स्त्री	5वीं	सामान्य	98574-64291
8	श्रीमति सवारी देवी पत्नी श्री बुद्वि सिंह	सदस्य	34	स्त्री	5वीं	सामान्य	70187713575
9	श्रीमति संगीता पत्नी श्री अमित ठाकुर	सदस्य	33	स्त्री	9वीं	सामान्य	98059-58451
10	श्रीमति मणी देवी पत्नी श्री बुद्वि सिंह	सदस्य	35	स्त्री	10वीं	सामान्य	

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 14 कि0मी0 व पैदल 100 मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 14/2 कि0मी0 व पैदल 50 से 100 मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0, भुन्तर 24 कि0मी0, मनाली 54 कि0मी0, शमशी 22 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लवी लिवास पट्टू बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	टोपी, लेड़िज जैक्ट, स्टोल,
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह/सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां *(सहमति पत्र पृष्ठ नं0 24 पर सलंग्न है)*

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा टोपी, लेड़िज जैक्ट, स्टोल आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगीः-

1. स्टोल का ताना व वाना, वार्पिग मशीन द्वारा लगवाएगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।
2. समूह में 06 सदस्य टोपी, लेड़िज़ जैक्ट बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह में 04 सदस्य स्टोल बनाने का कार्य करेगें।
4. समूह में सभी सदस्य विपणन करेगें व कच्चा माल भी लाएंगे।
5. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः-

1.<u>टोपी</u>

विभिन्न डिजाईनों की टोपी 04 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 01 दिन में 04 टोपियां तैयार करेगें।

2.<u>लेड़िज जैक्ट</u>

विभिन्न डिजाईनों की लेड़िज जैक्ट 02 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 02 दिन में 01 लेड़िज जैक्ट तैयार किया जाएगी।

3.<u>स्टोल 2/48 आस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिजाईनों की स्टोल 04 सदस्यों द्वारा तैयार की जाएगी। 01 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 04 दिन में 01 स्टोल तैयार किया जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टें कार्य करेगें)	➢ 480 टोपी ➢ 28 स्टोल ➢ 30 लेड़िज जैकट
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	➢ 04 सदस्य टोपी के लिए ➢ 04 सदस्य स्टोल के लिए ➢ 02 लेड़िज जैकट ➢ **कुल 10 सदस्य**
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू, शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

क्रं0	माह	ताना व वाना *(स्टोल, के लिए)*				कैशमीलोन *(स्टोल, के लिए)*			अपेक्षित उत्पादन की मात्रा	टिप्पणी
		इकाई	मात्रा	दर	धनराशि	मात्रा	दर	धनराशि		
1	अप्रैल	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	स्टोल 28 प्रति चक्र
2	मई	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
3	जून	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
4	जुलाई	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
5	अगस्त	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
6	सितम्बर	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
7	अक्तूबर	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
8	नवम्बर	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
9	दिसम्बर	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
10	जनवरी	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
11	फरवरी	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
12	मार्च	कि0ग्रा0	8	1500	12000	3	450	1350	28	
	कुल								**336**	

- **प्रत्येक चक्र** (प्रति माह) **में** कुल्लवी टोपी 480,स्टोल 28 व लेड़िज जैक्ट 30 समूह द्वारा बनाये जाएगें। साल में कुल्लवी टोपी 5760, स्टोल 336 व लेड़िज जैक्ट 360 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

टोपी

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी *(मच्छी कांटा)*	सै0 मी0	0.20	170	8	
2	बुक्रम	सै0 मी0	0.40	40	16	
3	वुली	सै0 मी0	0.20	30	6	
4	पेस्टिंग *(हार्ड)*	सै0 मी0	0.10	90	9	
5	मगजी कपड़ा	सै0 मी0	0.15	30	2	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी *(हाथ बुनाई)*	इंच	16	140	140	
7	सिलाई धागा				45	
	जोड़				**226**	
	सर्विस चार्ज			5%	11	
	कुल उत्पादन लागत				237	
	शुद्व लाभ			15%	36	
	कुल कीमत				**273**	

- **प्रत्येक चक्र** (प्रति माह) टोपी 480 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में टोपी 5760 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

लेड़िज जैक्ट

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी *(सुपर)*	मीटर	0.80	200	160	
2	वुली	मीटर	1.50	30	45	
3	पेस्टिंग *(मुलायम)*	मीटर	0.5	80	40	
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	1.5	25	37	
5	सिलाई धागा, बटन	नग	-	6	30	
6	काज़ की मज़दूरी			20	20	
7	सिलाई मज़दूरी			100	100	
	जोड़				**432**	
	सर्विस चार्ज			10%	43	
	कुल उत्पादन लागत				475	
	शुद्व लाभ			40%	190	
	कुल कीमत				**665**	

- **प्रत्येक चक्र** (प्रति माह) लेड़िज जैक्ट 30 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में लेड़िज जैक्ट 360 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
	स्टोल				
क	कच्चा माल (ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	0.270	1500	405
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	0.10	450	45
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा	संख्या	1	20	20
घ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				10
	कुल *(क+ख+ग+ङ)*				**480**
	कुल				**480**

- **प्रत्येक चक्र** (प्रति माह) स्टोल 28 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में लेड़िज जैक्ट 336 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

JICA Project

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	12 से 52 कि0मी0
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	• थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजैन्ट 20-25 प्रतिशत सब्सिड़ी • लोकल नैटवर्क में प्रचार • सोशिल मीडिया में प्रचार
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	**फल्याणी-खनियारगी ग्रुप रे शोभले उत्पाद** **ज्योति ग्रुप रे शोभले उत्पाद फल्याणी-खनियारगी**
7.11	उत्पाद का नारा-	**शोभला गांव, शोभला कोम, रति भर नहीं काण । यह सा फल्याणी-खनियारगी टोपी, लेड़िज जैक्ट व स्टॉल री पहचाण।।**

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेगें।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- पहले से ही कुछ सदस्य खड्डी का काम करते है।
- समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

- महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यस्थता।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यो के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से विक्री कम हो सकती है।	::	गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ-पूंजीगत व्यय

क्र0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
1	01 खड्डी 50 इंच वाली (16000 रूपये प्रति खड्डी)	16000
2	02 खड्डी 35 इंच वाली (10500 रूपये प्रति खड्डी)	21000
3	07 सिलाई मशीन अम्ब्रेला मोटर सहित (9000 रूपये प्रति मशीन)	63000
4	03 चरखे व उरी स्टैड़ (1700 रूपये प्रति चरखे व उरी स्टैड)	5100
5	07 प्रैस (1600 रूपये प्रति प्रैस) 03 कि0ग्रा0	11200
6	07 कैंची (650 रूपये प्रति कैंची)	4550
	कुल पूंजी व्यय	**120850**

11ब-आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	**स्टोल**				
क	कच्चा माल (ताना व वाना) *(28 स्टॉल के लिए)*	कि0 ग्रा0	0.270	1500	12000
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन) *(28 स्टॉल के लिए)*	कि0 ग्रा0	0.10	450	1260
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(28 स्टॉल के लिए)*	संख्या	28	20	560
घ	मजदूरी *(01 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन) 30x1x300*	दिन	30	300	0
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				500
	कुल *(क+ख+ग+ङ)*				**14320**
	आवर्ती लागत				**14320**

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी	सै0मी0	144	170	2040	480 टोपी
2	बुक्रम	सै0मी0	288	40	4800	
3	वुली	सै0मी0	144	30	3120	
4	पेस्टिंग	सै0मी0	72	90	4320	
5	मगजी कपड़ा	सै0मी0	36	30	1440	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी	16 इंच/पीस	480	120	57600	
7	सिलाई धागा	नं0			480	
	जोड़				**74040**	
	सर्विस चार्ज		5%		3702	
	कुल उत्पादन लागत				**77742**	
	शुद्व लाभ		15%		11661	
	आवर्ती लागत				**89403**	

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	टवीड़ पट्टी *(सुपर) 30 नं0*	मीटर	0.80	200	4800
2	वुली	मीटर	1.50	30	1350
3	पेस्टिंग *(मुलायम)*	मीटर	0.5	80	1200
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	1.5	25	1125
5	सिलाई धागा, बटन	नग	-	6	900
6	काज़ की मज़दूरी			20	600
7	सिलाई मज़दूरी			100	3000
	जोड़				**12975**
	सर्विस चार्ज			10%	1297.5
	कुल उत्पादन लागत				14272
	शुद्व लाभ			40%	5709
	आवर्ती लागत				**19981**
	कुल आवर्ती लागत				**123704**

12 अर्थ-व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	123704
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	1208
3	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	12370
	योग	**148159**

13 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक स्टोल के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	480
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	40	192
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**672**
	बाजार भाव	संख्या	1	850

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक टोपी के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	237
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	15	36
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**273**
	बाजार भाव	संख्या	1	375
एक लेड़िज़ जैक्ट के लिए				
3	उत्पादन की लागत	संख्या	1	475
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	50	237
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**712**
	बाजार भाव	संख्या	1	950

14.उद्यम हेतू लागत-लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक ह्रास (अ)	.	.	.	1208
2	आवर्ती व्यय(ब)			.	
2.1	स्टोल				14320
2.2	कुल्लवी टोपी				89403
2.3	लेड़िज जैक्ट				19981
	योग (ब)				123704
3	कुल उत्पादन (स्टोल)	संख्या	28		
4	कुल उत्पादन (टोपी)	संख्या	480		
5	कुल उत्पादन (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	30		
6	कुल बिक्री (स्टोल)	संख्या	28		
7	कुल बिक्री (टोपी)	संख्या	480		
8	कुल बिक्री (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	30		
9	कुल आय (स्टोल)	संख्या	28	672	18816
10	कुल आय (टोपी)	संख्या	480	237	113760
11	कुल आय (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	30	712	21360
	योग (स)				153936
6	कुल लाभ =स-(अ+ब 153936-(1208+123704) =29024				29024
7	उत्पाद की विक्री से सकल लाभ (कुल लाभ -आवर्ती =(153936-29024=124912)				124912
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतू उपलब्ध धनराशि =उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी हेतू वांछित धनराशि + किराया +दूसरे चक्र हेतू आवश्यक आवर्ती व्यय) 153936- (5000+ 38798=50310)				

15. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह को धन की आवश्यकता

क्रं0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	120850	90638	30212	0
2	आवर्ती व्यय	123704	0	0	123704
3	अन्य व्यय	0	0	0	0
	योग	**244554**	**90638**	**30212**	**123704**
	नोट	**समूह को कुल ऋण की आवश्यकता**			**124000**

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेगें अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नही होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नही जोड़ा गया है।

16.समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	90638
2	समूह की आंतरिक बचत	8000
	योग	**98638**

- परियोजना द्वारा 100000/- रूपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

17. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्रं0	आवयश्यक संसाधन	आवयश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	01 खड्डी 50 इंच वाली	4000	समूह द्वारा सहायता राशि से खड्डी, चरखे व उरी, लिाई मशीन, प्रैस व अन्य के लिए 25% एडवांस दिया जाए।
2	02 खड्डी 35 इंच वाली	5250	
3	03 चरखे व उरी स्टैड़	1275	
4	07 सिलाई मशीन अम्ब्रेला मोटर सहित	15750	
5	07 प्रैस	2800	
6	07 कैंची	1137	
	कुल	**30212**	
	कच्चा माल	**123704**	
	कुल योग	**153916**	

18. लाभ-हानि बिन्दू/स्थिति की गणना
(ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

स्टोल की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 120850/672 180 दिन

टोपी की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 120850/237 510 दिन

लेड़िज जैक्ट की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 120850/712 170 दिन

= 120850/860 141 दिनों में

- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनसार 141 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

19. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्रं0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					124000	1033.33	**125033**
2	महीना-2	10966.7	1033.33	12000	**12000**	113033	941.944	**113975**
3	महीना-3	11058.1	941.944	12000	**12000**	101975	849.794	**102825**
4	महीना-4	11150.2	849.794	12000	**12000**	90825.1	756.876	**91582**
5	महीना-5	11243.1	756.876	12000	**12000**	79581.9	663.183	**80245**
6	महीना-6	11336.8	663.183	12000	**12000**	68245.1	568.709	**68814**
7	महीना-7	11431.3	568.709	12000	**12000**	56813.8	473.449	**57287**
8	महीना-8	11526.6	473.449	12000	**12000**	45287.3	377.394	**45665**
9	महीना-9	11622.6	377.394	12000	**12000**	33664.7	280.539	**33945**
10	महीना-10	11719.5	280.539	12000	**12000**	21945.2	182.877	**22128**
11	महीना-11	11817.1	182.877	12000	**12000**	10128.1	84.4008	**10212**
12	महीना-12	10127.6	84.4008	10212	**10212**	0.49909	0.00416	**0.5032**
		124000		**130212**	**130212**			

- 10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

20. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 538 नग तैयार करके विक्रय किए जाएगें। इससे प्रत्येक चक्र में औसतन 29024/- रूपये की आय सम्भावित है।

21. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 42 से 43 दिन। मास्टर ट्रेनर को 1000/- रूपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1000/- रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर	45 दिन	-	1500	67500	1500.00 रूपये /दिन
2	बोर्ड़िग लॉज़िग	45 दिन		150	6750	150 रूपये /दिन
		14 दिन		750	10500	750 रूपये /दिन
3	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	45 दिन	10	1000	10000	1000 रूपये /सदस्य एक बार
4	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	45 दिन	-	1000	1500	1000 रूप्ये/दिन
5	परिवहन किराया	खड्डी, चरखा उरी	-	-	1500	1500 रूपये एक बार
	कुल				97750	

22 अनुलग्नक

ज्योति स्वयं सहायता समूह के सदस्य

ज्योति स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : **हथकरघा**
2. समूह का नाम : **ज्योति स्वयं सहायता समूह**
3. समूह का पता : **गांव फल्याणी डा0 भूमतीर तहसील व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0**
4. समूह के कुल सदस्य : 10
5. समूह की पहली बैठक की तिथि ; 04 दिसम्बर, 2022
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की **15** तारिख को होगी।
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें।
9. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
10. स्वंय सहायता समूह का खाता **सैन्टल बैंक ऑफ इण्डिया** शाखा **कुल्लू** में खोला गया है। खाता संख्या नंबर 5330112686 है।
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा।
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
17. अगर सदस्य किसी कारण समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नही।
18. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशि होनी चाहिए
20. स्वंय सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगा।

ज्योति स्वयं सहायता समूह के सदस्य

श्रीमति रामदेई
प्रधान

श्रीमति चमना देवी
सचिव

श्रीमति गीता देवी
कोषाध्यक्ष

श्रीमति मंगली देवी
सदस्य

श्रीमति मधुरानी
सदस्य

श्रीमति कुसम लता
सदस्य

श्रीमति लाहुली देवी
सदस्य

श्रीमति सवारी देवी
सदस्य

श्रीमति संगीता देवी
सदस्य

श्रीमति मणी देवी
सदस्य

सहमति पत्र

आज दिनांक 09.08.2023 को **ज्योति स्वयं सहायता समूह फल्याणी-खनीयारगी** की बैठक प्रधान श्रीमति रामदेई की अध्यक्षता में हुई जिसमें में समूह के सभी सदस्यों ने भाग लिया। **ज्योति स्वयं सहायता समूह फल्याणी-खनीयारगी** के सदस्यों द्वारा व क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई भुट्टी के सहयोग से तैयार हथकरघा व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना** *(जाईका द्वारा वित पोषित)* के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ **ज्योति स्वयं सहायता समूह फल्याणी-खनीयारगी** के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्वसहमति से **हथकरघा** (Handloom) का निरन्तर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

प्रधान सचिव
ज्योती स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भूमतीर डा0 बढ़ाई,
तह. व जिला कुल्लू (हि0प्र0)

प्रधान
ग्रा० वन विकास समिति खनयारगी फलयाणी
ग्राम पचायत भूमतीर
तहसील एवं जिला कुल्लू हि.प्र.

अनुमोदन

आज दिनांक 10.08.2023 को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डल अधिकारी कुल्लू द्वारा **ज्योति स्वयं सहायता समूह फल्याणी-खनीयारगी** की **हथकरघा** (Handloom) की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

Divisional Forest Officer
Forest Division Kullu.